1. भाषा और व्याकरण

मौखिक प्रश्न

1. लिपि।
2. व्याकरण का सही ज्ञान प्राप्त करके ही हम किसी भाषा को शुद्ध बोलना और पढ़ना-लिखना सीख सकते हैं।

लिखित प्रश्न

1. (क) (ब) भाषण (✓) (ख) (अ) तमिल (✓)
   (ग) (स) हिंदी (✓) (घ) (ब) 14 सितंबर को (✓)
   (ङ) (अ) वर्ण (✓)
2. (क) (✓) (ख) (✗)
   (ग) (✓) (घ) (✗)
   (ङ) (✓) (च) (✓)
3.

भाषा	**लिपि**
हिंदी	देवनागरी
अंग्रेज़ी	रोमन
उड़िया	ब्राह्मी
बँगला	बांग्ला
उर्दू	फ़ारसी
मलयालम	ब्राह्मी

4. (क) भाषा का क्षेत्रीय रूप **बोली** कहलाता है।
   (ख) हमारी राष्ट्रभाषा **हिंदी** है।
   (ग) ध्वनियों को लिखने के लिए निर्धारित चिह्न **लिपि** कहलाते हैं।
   (घ) व्याकरण हमें भाषा के **शुद्ध** रूप का ज्ञान कराता है।
   (ङ) **महाराष्ट्र** के लोग मराठी और **तमिलनाडु** के लोग तमिल बोलते हैं।
5. (क) भावों या विचारों के आदान-प्रदान के साधन को **भाषा** कहते हैं। उदाहरण—हिंदी, मलयालम।

(ख) भाषा के दो रूप होते हैं–मौखिक भाषा और लिखित भाषा।

(ग) बातचीत के माध्यम से विचारों को प्रकट करने के लिए मौखिक भाषा का प्रयोग किया जाता है।

(घ) छुट्टी लेने के लिए मुख्याध्यापक/मुख्याध्यापिका को प्रार्थना-पत्र देते है भाषा लिखित भाषा प्रयोग करते है।

(ङ) किसी भाषा के ध्वनि-चिह्नों या संकेतों को लिखने के ढंग को **लिपि** कहते हैं। हिंदी की लिपि **देवनागरी** है।

खेल-खेल में

पं	न	क	श्मी	री	ल
जा	अं	त	मि	ल	ची
बी	ग्रे	ह	जा	पा	नी
रा	ज़ी	न	रू	उ	र्दू
ग	फ्रां	सी	सी	ड़ि	य
ल	अ	स	मि	या	त

भारतीय भाषाएँ	विदेशी भाषाएँ
पंजाबी	**अंग्रेजी**
कश्मीरी	**चीनी**
उर्दू	**फ्रांसीसी**
असमिया	**जापानी**
तमिल	**रूसी**
उड़िया	

छात्र स्वयं करें।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(ग) बस पर चढ़ते समय

समस्या-समाधान

(क) संसार में बहुत-सी भाषाएँ बोली, लिखी और पढ़ी जाती है। सभी देशों की अपनी-अपनी भाषाएँ हैं; जैसे–जर्मन में जर्मनी, चीन में चीनी, जापान में जापानी तथा फ्रांस में फ्रेंच।

(ख) **बोली–** भाषा का क्षेत्रीय रूप **बोली** कहा जाता है। बोली आम बोल-चाल की भाषा है जो हर प्रांत और गाँव में बदलती रहती है। बोली

का क्षेत्र सीमित होता है। लेखन-कार्य और साहित्य-रचना में इसका प्रयोग नहीं होता।

आलोचनात्मक सोच

यदि भाषा का लिखित रूप नहीं होता तो हमें किसी भी प्रकार की जानकारी न होती और न ही उसे हम पढ़ सकते थे।

अनुभवात्मक अधिगम

रचनात्मकता

(क) हिंदी (ख) मराठी (ग) कश्मीरी

(घ) ??? (ङ) संस्कृत (च) मलयालम

(छ) कन्नड़ (ज) बँगला

2. वर्ण-विचार

मौखिक प्रश्न

1. दो व्यंजनों से मिलकर बने शब्दों को **संयुक्त व्यंजन** कहते हैं।
2. वर्णों के समूह को **वर्णमाला** कहते हैं।

लिखित प्रश्न

1. (क) (ब) वर्ण (✓) (ख) (ब) 33 (✓)

   (ग) (स) अयोगवाह (✓) (घ) (ब) ज् और ञ के (✓)

2. (क) वर्ण या अक्षर के और **टुकड़े** नहीं किए जा सकते।

   (ख) वर्णों को एक निश्चित क्रम से मिलाकर **शब्द** बनती है।

   (ग) हिंदी में **ग्यारह** स्वरों का प्रयोग होता है।

   (घ) 'अ' स्वर की कोई **मात्रा** नहीं होती।

   (ङ) व्यंजनों को बोलने के लिए **स्वरों** की सहायता लेनी पड़ती है।

3. (क) अ + न् + इ + र् + उ + द् + ध् + अ = अनिरुद्ध

   (ख) अ + ध् + य् + आ + प् + अ + क् + अ = अध्यापक

   (ग) आ + द् + अ + म् + ई = आदमी

   (घ) ब् + आ + ल् + अ + क् + ऋ + ष् + ण् + अ = बालकृष्ण

4. (क) महिला = म् + अ + ह् + इ + ल् + आ।

(ख) किसान = क् + इ + स् + आ + न् + अ

(ग) सैनिक = स् + ऐ + न् + इ + क् + अ

(घ) नौकरानी = न् + औ + क् + अ + र् + आ + न् + ई

5. चाँद आँसू आनंद प्रात:काल हँसी

6. (क) आ – आग आम आड़ू आगे

(ख) ए – सपेरा लुटेरा बछेड़ा एड़ी

(ग) औ – औरत औकात औसत औघड़

(घ) ऐ – ऐनक ऐकब ऐतबार ऐरावत

(ङ) ऋ – ऋषि ऋषभ ऋतु ऋण

(च) इ – इमली इकाई किसान किशोर

(छ) ई – कीमत तीन लीन लड़की

7. खिड़की लड़की पढ़ाई पहाड़ी कढ़ाई

गुड़िया बुढ़िया पड़ोसी बढ़ई घड़ी

8. (क) भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण या अक्षर कहलाती है।

(ख) वर्णों के समूह को वर्णमाला कहते हैं।

(ग) दो व्यंजनों से मिलकर बने शब्द को संयुक्त व्यंजन कहते हैं।

उदाहरण–अच्छाई।

(घ) जिन वर्णों के उच्चारण में किसी और की सहायता न लेनी पड़ती है, उसे स्वर कहते हैं, जबकि व्यंजन के उच्चारण में स्वरों की मदद ली जाती है।

खेल-खेल में

ट्रेन

रथ

प्रेम

वर्षा

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(क) वर्णभाषा की सबसे छोटी इकाई है।

आलोचनात्मक सोच

छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

समस्या-समाधान

सूर्य – रेफ़ (र्)

प्रवेश – पदेन (्र)

ट्रक – पदेन (्र)

रमेश – रेफ़ (र्)

अनुभवात्मक अधिगम

परियोजना कार्य

क्ष – भिक्षा त्र – मंत्र

ज्ञ – ज्ञानी श्र – श्रम

3. शब्द-विचार

मौखिक प्रश्न

1. हिंदी भाषा में शब्दों को चार आधारों पर बाँटा गया है–1. अर्थ के आधार पर, 2. उत्पत्ति के आधार पर 3. रचना के आधार पर 4. प्रयोग के आधार।
2. अर्थ के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं–सार्थक शब्द और निरर्थक शब्द।

लिखित प्रश्न

1. (क) (ब) तीन (✓)

(ख) (स) देशज (✓)

(ग) (स) संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया (✓)

(घ) (ब) स्टेशन (✓)

2. (क) ऐसे शब्द, जिनका कोई-न-कोई अर्थ अवश्य होता है, **सार्थक शब्द** कहलाते हैं।

(ख) ऐसे शब्द, जिनका कोई अर्थ नहीं होता, **'निरर्थक शब्द'** कहलाते हैं।

(ग) जिन शब्दों के **टुकड़ों** का कोई अर्थ नहीं होता, वे 'रूढ़ शब्द' कहलाते हैं।

(घ) प्रयोग के आधार पर शब्द **दो** प्रकार के होते हैं।

(ङ) ऐसे शब्द, जिनकी उत्पत्ति अपने ही **देश** में हुई है, 'देशज शब्द' कहलाते हैं।

3. (क) (✓) (ख) (✓)

(ग) (✓) (घ) (✓)

4.

शब्द के प्रकार	**उदाहरण**
(क) तत्सम शब्द	(अ) दाँत, आम, हाथ।
(ख) तद्भव शब्द	(ब) मास्टर, मुस्त, चम्मच।
(ग) देशज शब्द	(स) अब, और, ऊपर।
(घ) विदेशी शब्द	(द) गुड़िया, कटोरी, खिचड़ी।
(ङ) अविकारी शब्द	(य) पुत्र, पुष्प, दुग्ध

5. नल सड़क गम

हल मन रस

6. (क) अग्नि – आग (ख) दधि – दही

(ग) मित्र – दोस्त (घ) चंद्रमा – चाँद

(ङ) सूर्य – सूरज (च) दंत – दाँत

7. (क) देवदूत – यौगिक (ख) देव – रूढ़

(ग) पर – रूढ़ (घ) पंकज – योगरूढ़

(ङ) शंख – रूढ़ (च) हिमालय – यौगिक

8. (क) वर्ष + गाँठ = वर्षगाँठ (ख) रेल + यात्रा = रेलयात्रा

(ग) ना + समझ = नासमझ (घ) चिड़िया + घर = चिड़ियाघर

(ङ) टिकट + घर = टिकट घर (च) मेघ + दूत = मेघदूत

9. (क) चक्रधर – चक्र को धारण करने वाले – कृष्ण

(ख) दशानन – दस है आनन जिसके – रावण

(ग) पीतांबर – पीला है अंबर जिसके – कृष्ण

(घ) नीलकंठ – नीला है कंठ जिसके – शिव

10. (क) दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक समूह को **शब्द** कहते हैं।

(ख) उत्पत्ति के आधार पर शब्द **चार प्रकार** के होते हैं–

1. तत्सम–कवि, मयूर, मुनि।
2. तद्भव– मयूर से मोर, ओष्ठ से ओठ।
3. देशज– गाड़ी, थैला, खिड़की।
4. विदेशज–स्कूल, पेन, बस आदि।

(ग) **विकारी शब्द** इन शब्दों का रूप लिंग, वचन, पुरुष और कारक के अनुसार बदल जाता है; जैसे–1. लड़का पढ़ रहा है। (एकवचन) 2. लड़के पढ़ रहे हैं। (बहुवचन)।

अविकारी शब्द इन शब्दों का प्रयोग करते समय इनका रूप नहीं बदलता बल्कि ये हर स्थिति में अपने मूल रूप में बने रहते हैं अर्थात जिन शब्दों का प्रयोग करते समय लिंग, वचन, कारक का कोई प्रभाव नहीं पड़ता, ऐसे शब्द **अविकारी शब्द** कहलाते हैं।

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

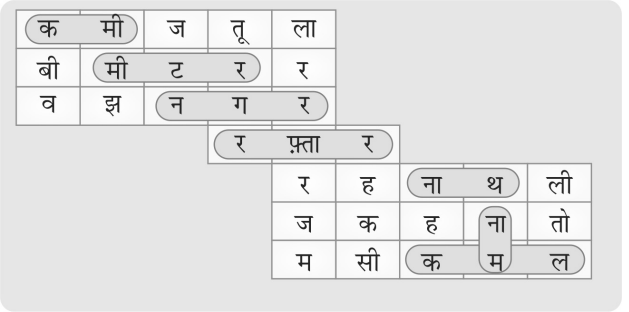

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(ख) निरर्थक शब्द

आलोचनात्मक सोच

(ग) ये शब्द विदेशियों तथा विदेशी भाषाओं के संपर्क के कारण हिंदी में आ गए हैं।

समस्या-समाधान

(क) दशानन – योगरूढ़ शब्द

राजमहल – यौगिक शब्द

(ख) तेज़ – अविकारी शब्द

अनुभवात्मक अधिगम

विषय संवर्धन क्रियाकलाप

(क) तत्सम शब्द	–	कर्ण	हस्त
(ख) तद्भव शब्द	–	मोर	दही
(ग) देशज शब्द	–	थैला	लोट
(घ) विदेशज शब्द	–	स्कूल	तारीफ़

पूछताछ आधारित शिक्षण

विकारी शब्द– विकारी शब्दों का रूप, लिंग, वचन, पुरुष और कारक के अनुसार बदल जाता है; जैसे–

(क) लड़का पढ़ रहा है। (एकवचन)

(ख) लड़के पढ़ रहे हैं। (बहुवचन)

अविकारी शब्द– इन शब्दों का प्रयोग करते समय इनका रूप नहीं बदलता। बल्कि ये हर स्थिति में अपने मूल रूप मं बने रहते हैं अर्थात् जिन शब्दों का प्रयोग करते समय लिंग, वचन, कारक का कोई प्रभाव नहीं पड़ता, ऐसे शब्द अविकारी शब्द कहलाते है। इन शब्दों को अव्यय भी कहते हैं; जैसे– आजकल, के लिए, इसलिए आदि।

4. वाक्य-विचार

मौखिक प्रश्न

1. **उद्देश्य–**वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाता है, उसे **उद्देश्य** कहते हैं।
2. **विधेय–**उद्देश्य कर्ता के बारे जो कुछ कहा जाता है, उसे **विधेय** कहते हैं।

लिखित प्रश्न

1. (क) (स) सार्थक समूह को (✓)
   (ख) (अ) बच्चे (✓)
   (ग) (ब) प्रश्नवाचक (✓)
2. (क) तुम फूलों में पानी दो।
   (ख) वह नाव में बैठ गया था।
   (ग) रजत ने गीत सुनाया।
   (घ) अरे, यह तो बिच्छू है।
   (ङ) आप कहाँ जा रहे हैं?
3. (क) **हिमालय** भारत का पहरेदार है।
   (ख) **किसान** खेती करता है।
   (ग) **शेर** जंगल का राजा है।
   (घ) **मोर** वर्षा ऋतु में नाचता है।
   (ङ) **बगीचे** में हरे-भरे वृक्ष और रंग-बिरंगे फूल हैं।
4. (क) मैं स्कूल जा रही हूँ। सरल वाक्य
   (ख) चाहे चाय लो चाहे कॉफ़ी। आज्ञावाचक वाक्य

(ग) मैं दूध और बिस्कुट लेता हूँ। सरल वाक्य

(घ) यह बताओ कि तुम्हारी परीक्षाएँ कब से शुरू हैं? प्रश्नवाचक वाक्य

(ङ) मैं बोल रहा हूँ और तुम सो रहे हो! आज्ञावाचक वाक्य

5. (क) सार्थक शब्दों का ऐसा क्रमबद्ध समूह, जिसका पूरा-पूरा अर्थ समझ में आ जाए **वाक्य** कहलाता है। उदाहरण—वह जा रहा है।

(ख) वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाता है उसे **उद्देश्य** कहते हैं।

विधेय उद्देश्य (कर्ता) के बारे जो कुछ कहा जाता है, उसे **विधेय** कहते हैं।

खुशी पत्र लिखती है।

उद्देश्य विधेय

खेल-खेल में

	उद्देश्य	**विधेय**
(क)	आपका बेटा	कहाँ पढ़ता है?
(ख)	हम सब	कल जयपुर जा रहे हैं।
(ग)	मेरे पिता जी	एक दफ़्तर में काम करते हैं।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(क) वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाता है, वही उद्देश्य होता है।

आलोचनात्मक सोच

(घ) उपर्युक्त सभी।

कला एकीकरण

छात्र/छात्राएँ चित्र देखकर अर्थ की दृष्टि से वाक्य के चारों मुख्य भेदों के एक-एक उदाहरण लिखें।

5. संज्ञा

मौखिक प्रश्न

1. किसी एक व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान आदि के निजी नाम को **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहते हैं।

2. हाथी, सब्जी, पेड़, बच्चा, नदी।

लिखित प्रश्न

1. (क) (ब) तीन (✓) (ख) (अ) घर (✓)
   (ग) (द) मुंबई (✓) (घ) (ब) बुढ़ापा (✓)

2. (क) ताजमहल **आगरा** में है।
   (ख) आगरा का **ताजमहल** बहुत सुंदर है।
   (ग) जंगल में **शेर** दहाड़ रहा है।
   (घ) **किताब** पढ़ने के काम आती है।
   (ङ) सैनिक **दुश्मनों** से लड़ते हैं।
   (च) **दिल्ली** भारत की राजधानी है।

3.

व्यक्तिवाचक	जातिवाचक	भाववाचक
चाचा नेहरू	शेर	खुशिया
नेहा	आम	मीठा
अंशु	सब्जी	होशियार
दीपावली	जंगल	
	राजा	
	बच्चा	

4. (क) कमल अमन का भाई है।
   (ख) गुलाब एक सुंदर फूल है।
   (ग) दिल्ली एक बड़ा शहर है।
   (घ) ताजमहल बहुत खूबसूरत इमारत है।
   (ङ) दुकानदार ने आयूष को बुलाया।
   (च) गाय के दो सींग होते हैं।

5.

	भाव
(क) जंगली जानवर सामने आने पर	घबराहट
(ख) पुस्तक खो जाने पर	परेशानी
(ग) हाथ की आइस-क्रीम नीचे गिर जाने पर	अफ़सोस

(घ) कक्षा में प्रथम आने पर — खुशी

(ङ) परीक्षा में असफल हो जाने पर — अफ़सोस

6. (क) प्रत्येक व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान, भाव आदि का कोई-न-कोई नाम अवश्य होता है। इन नामों को **संज्ञा** कहते हैं। राजीव, पं० नेहरू, बुढ़ापा।

(ख) संज्ञा के **तीन भेद** हैं–1. व्यक्तिवाचक – चाचा नेहरू, 2. जातिवाचक – सैनिक, 3. भाववाचक – बुढ़ापा।

खेल-खेल में

गा	क	मुं	ब	ई	म
य	फ	र	ख	ठ	मि
त	ना	व	जी	ग	त्र
ज	री	झ	त	ङ	ता
ह	न	ज	ट	छ	च
ला	ल	कि	ला	ढ	घ

जातिवाचक	व्यक्तिवाचक	भाववाचक
नारी	**मुंबई**	**मित्रता**
मित्र	**लालकिला**	**जीत**
गाय		
ठग		

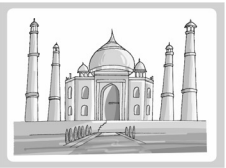

ताजमहल
स्थानवाचक

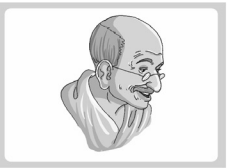

बूढ़ा
भाववाचक

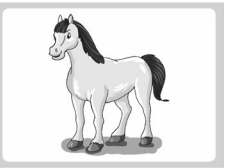

घोड़ा
जातिवाचक

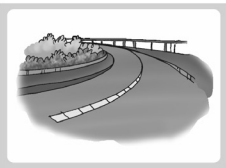

सड़क
जातिवाचक

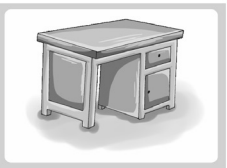

टेबल
वस्तुवाचक

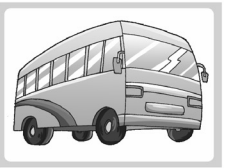

बस
जातिवाचक

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(घ) यह, वह, वे, आप

आलोचनात्मक सोच

(ग) 'क' और 'ख' दोनों।

अनुभवात्मक अधिगम

रचनात्मकता

काजल चौथी **कक्षा** में पढ़ती है। उसे **पढ़ाई** में विशेष रुचि है। वह **डॉक्टर** बनना चाहती है। डॉक्टर बनकर वह **मरीज़ों** की **सेवा** करना चाहती है। **ईमानदारी** से लोगों की **भलाई** करना उसके जीवन का उद्देश्य है।

कला एकीकरण

छात्र/छात्राएँ दिए गए चित्रों को देखकर भाववाचक संज्ञा शब्द लिखें।

6. लिंग

मौखिक प्रश्न

1. स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द **स्त्रीलिंग** कहलाते हैं।
2. मामा, शेर, शिक्षक, पति, कवि।

लिखित प्रश्न

1. (क) (अ) सयानी (✓)
   (ख) (स) पुस्तक (✓)
   (ग) (अ) बंदर-बंदरी (✓)
   (घ) (ब) झरना (✓)
2. (क) नायक – नायिका (ख) नाग – नागिन
   (ग) सखा – सखी (घ) कुत्ता – कुतिया
   (ङ) बुढ़िया – बूढ़ा (च) ग्वाला – ग्वालिन
   (छ) सिंह – सिंहनी (ज) सुत – सुता
   (झ) मोरनी – मोर (ञ) जननी – पितृ
3. (क) जंगल में **हथनियों** के झुंड घूम रही हैं।
   (ख) यह **गायक** बहुत सुरीला गाता है।
   (ग) **पंडितानी** पूजा कर रही हैं।

(घ) **छात्रा** पाठशाला जा रही है।

(ङ) **बंदर** सारा खीर चट कर गया।

4.

बूढ़ा	आ	बुढ़िया	नाईन	ई	नाई
पाठक		पाठिका	मौसी		मौसा
पंडितानी	नी	पंडित	ठकुराइन	इन	ठाकुर
शेरनी		शेर	लुहारिन		लुहार

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

डॉक्टर, प्रधानमंत्री तथा राष्ट्रपति आदि कुछ शब्द स्त्री-पुरुष दोनों के लिए इसलिए प्रयोग किए जाते हैं क्योंकि ये शब्द इंसान होने का बोध कराते है और इंसान स्त्री और पुरुष दोनों ही होते हैं।

कला एकीकरण

छात्र/छात्राएँ दिए गए चित्र को देखकर पाँच पुल्लिग और पाँच स्त्रीलिंग शब्द लिखें।

7. वचन

मौखिक प्रश्न

1. ऐसे संज्ञा शब्द, जिनसे उनके केवल एक ही होने का पता चलता है, वे **एकवचन** कहलाते हैं।
2. हस्ताक्षर, प्राण, आँसू, दर्शन, केश।

लिखित प्रश्न

1. (क) (अ) दो (✓) (ख) (स) प्राण (✓)
2. (क) (ब) दवाइयाँ (✓) (ख) (स) नेतागण (✓)
   (ग) (द) मालाएँ (✓) (घ) (द) संतरे (✓)
   (ङ) (ब) चिड़ियाँ (✓)
3. (क) तीनों **पंखे** चला दो।
   (ख) **मालाएँ** बिखरी पड़ी हैं।

(ग) कमरे में **बच्चा** पढ़ रहा है।

(घ) **कमरे** का दरवाज़ा खोल दो।

(ङ) आकाश में **पतंगें** उड़ रही हैं।

4. (क) पुस्तक – पुस्तकें (ख) पंक्तियाँ – पंक्ति

(ग) नदी – नदियाँ (घ) कथा – कथाएँ

(ङ) वह – वे (च) दीवारें – दीवार

(छ) आँखें – आँख

5. (क) लड़के पढ़ते हैं।

(ख) वस्तु महँगी है।

(ग) मोटा आदमी आ रहा है।

(घ) मेज पर पैसे रखे हैं।

6. (क) जिन संज्ञा शब्दों से उनकी संख्या का ज्ञान होता है, उसे वचन कहते हैं।

(ख) वचन **दो प्रकार** के होते हैं–एकवचन और बहुवचन।

(ग) ऐसे संज्ञा शब्द, जिनसे उनके केवल एक होने का पता चलता है, **एकवचन** कहलाते हैं। उदाहरण–नदी, पंखा।

(घ) ऐसे संज्ञा शब्द जिनसे उनके एक से अधिक होने का पता चलता है, बहुवचन कहलाते हैं। उदाहरण–आँख-आँखें, पुस्तक-पुस्तकें।

खेल-खेल में

थै	ला	ब	प	क	न
ले	ह	न	दी	म	प
र	चि	दि	म	हि	ला
चि	ड़ि	याँ	त	ला	ष
द	या	झं	डा	एँ	रु
न	क	डे	डा	ए	न

एकवचन	बहुवचन
थैला	**थैले**
चिड़िया	**चिड़ियाँ**
झंडा	**झंडे**
महिला	**महिलाएँ**
नदी	**नदियाँ**

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(क) (स) संख्या का

(ख) **सोना** महँगा है। –कुछ संज्ञा शब्द एकवचन और बहुवचन दोनों में प्रयोग किए जाते है। इसलिए रंगीन शब्द का वचन पता नहीं चल सकता।

समस्या-समाधान

(क) बहुवचन (ख) बहुवचन (ग) एकवचन

(घ) बहुवचन (ङ) एकवचन

बहुविकल्पीय प्रश्न

(क) (द) बहुवचन में

(ख) (ब) वस्तुएँ

(ग) (द) नाना जी आए हैं।

(घ) (स) एक से अधिक मछलियों की

8. सर्वनाम

लिखित प्रश्न

1. (क) (स) निकिता के लिए (✓)

(ख) (अ) निजवाचक (✓)

(ग) (स) कोई (✓)

(घ) (ब) प्रश्नवाचक (✓)

2. (क) वे – बच्चों के लिए

(ख) उसने – अनु के लिए

(ग) वह – गेंद के लिए

(घ) उन्हें – दादा जी के लिए

(ङ) उसकी – चीता के लिए

3. (क) देखो, वहाँ **कौन** है?

(ख) चाय में **कुछ** गिर गया है।

(ग) यह साइकिल **किसकी** है?

(घ) रामू **कैसे** दिल्ली जाएगा?

(ङ) क्या **तुम्हें** भूख लगी है?

4. (क) (✓) (ख) (✗)

(ग) (✓) (घ) (✗)

(ङ) (✗)

5. (क) जैसी वैसी – **जैसी** करनी **वैसी** भरनी।

(ख) कोई – **कोई** दरवाजे पर खड़ा है।

(ग) कब – तुम **कब** आओगे?

(घ) कौन – दरवाजा **कौन** खटखटा रहा है?

(ङ) अपने-आप – ट्रेन **अपने-आप** चल पड़ी।

(च) स्वयं – मैं अपना गृहकार्य **स्वयं** कर लूँगा।

6. (क) उसने गीत गाया।

(ख) तुम अपनी पुस्तक पढ़ो।

(ग) तुमने वहाँ किसी को देखा?

7. (क) जो शब्द संज्ञा-शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, वे **सर्वनाम** कहलाते हैं।

(ख) हिंदी भाषा में सर्वनाम के **छह भेद** हैं : 1. पुरुषवाचक सर्वनाम 2. निश्चयवाचक सर्वनाम 3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम 4. प्रश्नवाचक सर्वनाम 5. संबंधवाचक सर्वनाम 6. निजवाचक सर्वनाम।

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन उपभेद होते हैं–

(अ) उत्तम पुरुष – मैं, हम आदि। (कहने वाला)

(ब) मध्यम पुरुष – तू, तुम आदि। (सुनने वाला)

(स) अन्य पुरुष – वह, वे आदि। (अन्य व्यक्ति)

(घ) निजवाचक

खेल-खेल में

तुम **कहाँ से** आ रहे हो?

जैसा बोया **वैसा** काटा।

अपना काम **स्वयं** करना चाहिए।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(ग) अटपटे और नीरस हो जाते हैं।

समस्या-समाधान

(अ) (घ) ओह, अरे, वाह

(ब) (1) कोई (2) वे (3) कोई

कला एकीकरण

छात्र/छात्राएँ दिए गए संवाद को पढ़कर रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित सर्वनाम से करें।

9. विशेषण

मौखिक प्रश्न

1. संज्ञा और सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्द **विशेषण** कहलाते हैं।
2. विशेषण शब्द जिस संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताता है, उस संज्ञा या सर्वनाम को **विशेष्य** कहते हैं।

लिखित प्रश्न

1. (क) (स) चार (✓)
   (ख) (द) भौगोलिक (✓)
   (ग) (स) परिमाणवाचक विशेषण (✓)
2. (क) (अ) गुणवाचक विशेषण (✓)
   (ख) (स) निश्चित संख्यावाचक विशेषण (✓)

3.

	विशेषण	संज्ञा	विशेषण सहित संज्ञा
(क)	ईमानदार	कमीज़	ईमानदार चौकीदार
(ख)	लाल	चौकीदार	लाल कमीज़
(ग)	ऊँचे	खेत	ऊँचे पर्वत
(घ)	हरे-भरे	पर्वत	हरे-भरे खेत
(ङ)	छोटा	अध्यापिका	छोटा लड़का
(च)	अच्छी	लड़का	अच्छी अध्यापिका

4. (क) राणा प्रताप एक **वीर** राजा थे।

(ख) नेहा **साहसी** लड़की है।

(ग) मुझे दो किलो **टमाटर** चाहिए।

(घ) हिमालय पर्वत बहुत **ऊँचा** है।

(ङ) मुझे **कुछ** पुस्तकें दे दीजिए।

5. (क) संज्ञा और सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्द **विशेषण** कहलाते हैं।

(ख) विशेषण मुख्य रूप से **चार प्रकार** के हैं—गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक तथा सार्वनामिक।

(ग) जो सर्वनाम शब्द विशेषण के रूप में आकार संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें **सार्वनामिक विशेषण** कहते हैं। वह उसकी, वे, यह, ये, मेरा, तुम्हारा आदि, जैसे—वह नौकरानी, उसकी पुस्तक, वे संतरे, यह कमरा।

(घ) जो विशेषण शब्द संज्ञा या सर्वनाम की मात्रा या माप-तौल के विषय में बताते हैं, उन्हें परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं, जैसे—थोड़ा, बहुत, कम।

6.

	संख्यावाचक	परिमाणवाचक
(क)		कुछ
(ख)		थोड़ा
(ग)	चार	
(घ)		सारा

खेल-खेल में

सुं	क	ती	न	च	थो
द	क	ई	भ	ब	ड़ा
र	म	य	छ	तु	त्र
त	दू	ण	य	त	ष
थ	स	व	ह	स	नी
द	रा	ध	न	ख	ला

परिमाणवाचक विशेषण सुंदर नीला	**सार्वनामिक विशेषण** दूसरा
गुणवाचक विशेषण थोड़ा	**संख्यावाचक विशेषण** वह

1.	**गर्म**	चाय	6.	**नीला**	आसमान
2.	**काला**	कौआ	8.	**सफ़ेद**	कपड़ा
3.	**लाल**	टमाटर	9.	**ऊँचा**	भवन
4.	**स्वच्छ**	घर	10.	**हरा**	वृक्ष
5.	**तेज**	विद्यार्थी	11.	**चार**	केले

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(क) (स) विशेषण बताने वाले शब्द

(ख) (स) विशेषण

समस्या-समाधान

(क) ईमानदार	(ख) पाँचवाँ	(ग) ???
(घ) बहादुर	(ङ) पतला	(च) ???

अनुभवात्मक अधिगम

संप्रेषण

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

10. क्रिया

मौखिक प्रश्न

1. जिनसे किसी काम का करना या होना प्रकट होता है उसे **क्रिया** कहते हैं।

2. अ (बिना) + कर्मक (कर्म के) यानी कर्म के बिना। जिस क्रिया का कोई कर्म नहीं होता, वह **अकर्मक क्रिया** कहलाती है।

3. स (साथ) + कर्मक (कर्म के) यानी कर्म के साथ क्रिया का होना। जिस क्रिया का कोई कर्म होता है, वह **सकर्मक क्रिया** कहलाती है।

लिखित प्रश्न

1. (क) (ब) खाई (✓) (ख) (स) भूतकाल (✓)
   (ग) (ब) लिंग और वचन के अनुसार (✓)

2. (क) एक अच्छे विद्यार्थी को मेहनत करनी चाहिए। करनी चाहिए
   (ख) बाग में फूल खिले हुए हैं। खिलना
   (ग) इस विद्यालय में पाँच सौ विद्यार्थी पढ़ते हैं। पढ़ते हैं
   (घ) पुलिस ने चोरों को पकड़ लिया। पकड़ना

3.

	कर्ता	**कर्म**	**क्रिया**
(क) हम कुतुब मीनार देखने गए थे।	हम	कुतुबमीनार	गए
(ख) वे कहानी पढ़ रहे हैं।	वे	कहानी	पढ़
(ग) बच्चे फुटबॉल खेल रहे हैं।	बच्चे	फुटबॉल	खेलना
(घ) मालिन ने माला बनाई।	मालिन	माला	बनाई
(ङ) बंदर ने केले खाए।	बंदर	केले	खाए

4. (क) दादी बच्चों को कहानी सुना रही है। सकर्मक
   (ख) रोहित किक्रेट खेल रहा है। सकर्मक
   (ग) वैभव नहा रहा है। अकर्मक
   (घ) अंजलि नाच रही है। अकर्मक
   (ङ) पिता जी कपड़े पहन रहे हैं। सकर्मक

5. (क) परसों हम भी कबूतर **उड़ाए**।
   (ख) कक्षा में विद्यार्थी **पढ़-लिख** रहे थे।
   (ग) अंकिता स्वेटर **बुन** रही है।
   (घ) किसान ने हल से खेत **जोता**।
   (ङ) रहीम पलंग पर **सो** रहा था।

6. (क) अ (बिना) + कर्मक (कर्म के) यानी कर्म के बिना। जिस क्रिया का कोई कर्म नहीं होता, वह अकर्मक क्रिया कहलाती है; जैसे–बच्चे सो रहे हैं।

स (साथ) + कर्मक (कर्म के) यानी कर्म के साथ क्रिया का होना। जिस क्रिया का कोई कर्म होता है, वह सकर्मक क्रिया कहलाती है; जैसे–माँ खाना बना रही हैं।

(ख) क्रिया का मूल रूप **धातु** कहलाता है–**पढ़ना** में **पढ़** धातु है।

खेल-खेल में

निशा आइस-क्रीम **खा रही** है।

रवि अखबार **पढ़ रहा** है।

दरजी कपड़े **सिल रहा** है।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(क) क्रिया का मूल रूप 'धातु' कहलाता है।

आलोचनात्मक सोच

(क) क्रिया के काल के बारे में जानना इसलिए जरूरी है कि इससे पता चलता है कि क्रिया का काल वर्तमान काल, भूतकाल तथा भविष्यत् काल में से कौन-सा काल है जिसमें क्रिया संपन्न हो रही है।

(ख) हाँ, किसी वाक्य में एक से अधिक क्रियाएँ भी होती हैं जैसे– अखिल गृह-कार्य करके सो गया।

बहुविकल्पीय प्रश्न

(क) (अ) इसमें 'वीडियो' कर्म है।

(ख) (अ) सबमें कोई काम हो रहा है।

(ग) (अ) अकर्मक है।

(घ) (स) वाक्य की क्रिया से

(ङ) (ब) तीन

11. अविकारी (अव्यय) शब्द

मौखिक प्रश्न

1. क्रियाविशेषण।
2. रंग रूप, गुण, संख्या आदि।

लिखित प्रश्न

1. (क) (ब) आज (✓) (ख) (स) के नीचे (✓)
   (ग) (द) ताकि (✓) (घ) (द) अरे! (✓)

2.

	अव्यय	अव्यय का प्रकार
(क) घोड़ा तेज़ दौड़ता है।	तेज	क्रियाविशेषण
(ख) शाबाश! तुमने तो कमाल कर दिया।	शाबाश	विस्मयादिबोधक
(ग) यह काम ज़ल्दी करना है।	जल्दी	क्रियाविशेषण
(घ) जगन गरीब किंतु ईमानदार है।	किंतु	समुच्चयबोधक
(ङ) छि:! कितनी दुर्गंध है।	छि	विस्मयादिबोधक

3. (क) पंकज के **साथ** मैं भी खेलने गया।
   (ख) करो **या** मरो।
   (ग) सबेरे घूमने जाया करो **ताकि** स्वस्थ रहो।
   (घ) कमल **हमेशा** उदास रहता है।
   (ङ) नदी धीरे बहती है।

4. (क) हमेशा – हमें **हमेशा** गरीबों की मदद करनी चाहिए।
   (ख) धीरे-धीरे – वह **धीरे-धीरे** जा रहा है।
   (ग) ऊपर – छत के **ऊपर** बंदर है।
   (घ) बीच में – रधिका मोनी और सोनी के **बीच में** खड़ी है।

5. (क) जिन शब्दों से क्रिया की विशेषता प्रकट होती है, उन्हें **क्रियाविशेषण** कहते हैं।
   (ख) जो शब्द किसी संज्ञा या सर्वनाम के साथ आकर उसका संबंध वाक्य के अन्य संज्ञा या सर्वनाम शब्दों के साथ बताते हैं, वे **संबंधबोधक** कहलाते हैं; जैसे–के नीचे, के बाहर।

(ग) समुच्चयबोधक जोड़ने का कार्य करता है।

(घ) अहा! कितना सुहाना मौसम है।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(स) 'क' और 'ख' दोनों

समस्या-समाधान

(अ) (ग) समुच्चयबोधक

(ब) 1. धीरे 2. थोड़ा 3. तेज़ 4. आगे
5. कल 6. परसों 7. ज़रा 8. नीचे

अनुभवात्मक अधिगम

परियोजना कार्य

छात्र/छात्राएँ चार्ट पेपर पर अविकारी शब्दों को चार-चार उदाहरणों के साथ रंगीन पेंसिल से लिखिए।

12. संबंधबोधक

मौखिक प्रश्न

1. जो शब्द वाक्य के किसी संज्ञा या सर्वनाम शब्द का किसी अन्य संज्ञा या सर्वनाम शब्द से संबंध बताते हैं, उन्हें **संबंधबोधक** कहते हैं।
2. द्वारा, के निकट, के पास, के अंदर, के ऊपर।

लिखित प्रश्न

1. (क) (✓) (ख) (✗)
(ग) (✓)
2. (क) वायु के बिना हम जीवित नहीं रहेंगे।
(ख) माता जी के विषय में लिखना।
(ग) दीपा के बाद रूपा ने गाना गाया।
(घ) मेज के ऊपर जग रखा है।
(ङ) बच्चों के लिए मिठाइयाँ आई हैं।

3. (क) राम **के पास** कहानियों की किताब है।

(ख) मैं दादी जी **के बिना** खाना नहीं खाता।

(ग) उसके घर **के अंदर** ही स्वीमिंग पूल है।

(घ) आयूष रोज़ अपने पिता जी **के साथ** घूमने जाता है।

(ङ) छत **के ऊपर** बंदर बैठे हैं।

4. छात्र स्वयं करें।

5. (क) संबंधबोधक अव्यय एक-दूसरे के साथ आपसी संबंध बताते हैं।

(ख) छात्र स्वयं करें।

खेल-खेल में

एक घने पेड़ **के नीचे** झोपड़ी में एक बुढ़िया रहती थी। उसकी झोपड़ी **के भीतर** एक साँप रहता था। बुढ़िया उसके लिए प्रतिदिन घर **के बाहर** प्याले में दूध रख देती थी। एक दिन बुढ़िया की झोपड़ी **के सामने** चार चोर आए। वे झोपड़ी में घुसने लगे। साँप भी चारों **के पीछे** झोपड़ी में घुस गया। साँप ने उनको डस लिया। चोर झोपड़ी **के बाहर** भागे। इस प्रकार साँप ने बुढ़िया के सामान की रक्षा की।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(अ) वाक्य 'क' में क्रियाविशेषण और 'ख' में संबंधबोधक है।

कला एकीकरण

छात्र/छात्राएँ चित्र को ध्यान से देखकर रिक्त स्थानों में संबंधबोधक का प्रयोग कर वाक्य पूरे करें।

13. समुच्चयबोधक

मौखिक प्रश्न

1. दो शब्दों, वाक्य के अंशों और वाक्यों को जोड़ने वाले शब्द **समुच्चयबोधक अव्यय** या **योजक** कहलाते हैं।

2. तथा, लेकिन।

लिखित प्रश्न

1. (क) (स) दो वाक्यों में विकल्प बताते हैं। (✓)

2. (क) तुमने चाय पी है **या** कॉफी?

   (ख) नेहा मन लगाकर पढ़ती है **इसलिए** प्रथम आती है।

   (ग) आयूष चित्र बनाता है **और** बेचता है।

   (घ) भारत ने आस्ट्रेलिया ही नहीं, **बल्कि** श्रीलंका को भी हरा दिया।

3. (क) नेहा प्रथम आई है **इसलिए** उसे पुरस्कार मिला है।

   (ख) गीता मेरी बहिन है **और** मदन मेरा भाई है।

   (ग) मृदुला को आना था **लेकिन** वह आ न सकी।

   (घ) राजेश विवाह में गया है **इसलिए** वह विद्यालय नहीं आया।

   (ङ) मेरी अध्यापिका अच्छी हैं **इसलिए** वे मुझे प्यार करती हैं।

4. छात्र स्वयं करें।

5. (क) दो शब्दों, वाक्य के अंशों और वाक्यों को जोड़ने वाले शब्द **समुच्चयबोधक अव्यय** या **योजक** कहलाते हैं।

   (ख) तथापि, वरना, अगर, अतः।

खेल-खेल में

अ	प	रं	तु	ता
न्य	इ	क	यों	कि
था	स	त	ले	च
त	लि	था	कि	किं
था	ए	पि	न	तु

परंतु	क्योंकि
लेकिन	किंतु
ताकि	इसलिए
तथा	अन्यथा

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(द) ये दो या दो से अधिक शब्दों, वाक्यांशों या वाक्यों का जोड़ने का कार्य करते हैं।

समस्या-समाधान

(क) समुच्चयबोधक को अविकारी शब्द इसलिए कहते हैं क्योंकि समुच्चयबोधक शब्द दो या दो से अधिक शब्दों, वाक्यांशों या वाक्यों को जोड़ने का कार्य करते हैं।

(ख) यद्यपि वह बड़ा है तथापि बहादुर है।

अनुभवात्मक अधिगम

परियोजना कार्य

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

14. विस्मयादिबोधक

मौखिक प्रश्न

1. अहा! आहा!
2. वाह!, शाबाश!

लिखित प्रश्न

1. (अ) (✓) (ब) (✗)
   (स) (✓) (द) (✗)
2. (क) वाह! कितनी ठंडी लस्सी है। प्रशंसा
   (ख) सावधान! जागते रहो। चेतावनी
   (ग) छि:! कितनी गंदगी फैली है। घृणा
   (घ) हाय! बेचारे को चोट लग गई। पीड़ा
   (ङ) शाबाश! तुमने तो कमाल कर दिया। प्रशंसा
3. (क) **वाह!** कितना मज़ेदार खाना बना है।
   (ख) **अरे!** यह क्या हो गया।
   (ग) **अरे!** तुमने कैसे किया यह काम?
   (घ) **छि:** कैसी गंदी बातें करता है।
   (ङ) **उफ!** कितना दर्द हो रहा है अँगुली में!
   (च) **आहा!** अब आएगा मजा।

4. छात्र स्वयं करें।

5. हर्ष, घृणा, शोक, ग्लानि।

खेल-खेल में

शोकसूचक	–	ओह!
भयसूचक	–	बाप रे!
हर्षसूचक	–	वाह!
प्रशंसासूचक	–	शाबाश!
स्वीकृतिसूचक	–	जी हाँ!

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(घ) विस्मयादिबोधक शब्दों के साथ विस्मयादिबोधक चिह्न (!) लगाया जाता है।

आलोचनात्मक सोच

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

कला एकीकरण

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

15. विराम-चिह्न

लिखित प्रश्न

1. (क) (ब) , (✓)
   (ख) (स) वाह! कितना सुंदर मकान है? (✗)
   (ग) (ब) बड़े, बड़े पेड़ (✓)
2. (क) वाक्य के पूरा होने पर ।
   (ख) वाक्य के बीच में, जहाँ थोड़ा रुकना हो ;
   (ग) प्रश्नों के अंत में ?
   (घ) हर्ष, शोक आदि प्रकट करने वाले वाक्यों के अंत में !

(ङ) जब वक्ता या लेखक की बात को ज्यों-का-त्यों लिखा जाए " "

(च) दो शब्दों का आपसी संबंध दिखाने के लिए -

(छ) विवरण देने के लिए –

3. (क) अल्प विराम — (र) ,
(ख) पूर्ण विराम — (द) ।
(ग) प्रश्नवाचक चिह्न — (अ) ?
(घ) निर्देशक चिह्न — (स) -
(ङ) योजक चिह्न — (ब) –
(च) उद्धरण चिह्न — (ल) "...."
(छ) विस्मयादिबोधक चिह्न — (य) !

4. (क) काश! मेरे पैसे मेरी ज़ेब में होते।

(ख) क्या! आप भोजन कर चुके हैं?

(ग) माँ ने कहा, स्कूल से सीधे घर लौटना।

(घ) हिंदी, अंग्रेज़ी, गणित और विज्ञान में मेरे पूरे नंबर आए हैं।

(ङ) वाह! मैं कक्षा में प्रथम आया।

खेल-खेल में

ज्यों ही रेनू ने पूनम को देखा, खुशी से उछल पड़ी। वह बोली, वाह! क्या कहने। मैं तो सोच रही थी कि मुझे अकेले ही जाना पड़ेगा।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(द) व्याकरण के नियमों के पालन के लिए।

समस्या-समाधान

(ग) पिता जी ने कहा रजत ज़रा आना।

अनुभवात्मक अधिगम

रचनात्मकता

(क) प्रश्नसूचक चिह्न (?) तुम यहाँ क्या कर रहे हो?

(ख) विस्मयादिबोधक चिह्न (!)	वाह! क्या सुहावना मौसम है।
(ग) उद्धरण चिह्न (“ ”)	रजत ने कहा, “मैं अवश्य प्रथम आऊँगा।”
(घ) अल्प विराम (,)	वह आया, थोड़ी देर बैठा, फिर चला गया।

16. अशुद्धि-शोधन

लिखित प्रश्न

1. (क) तुम्हें (✓)
   (ख) चीज़ें (✓)
   (ग) अच्छी (✓)
   (घ) दवाइयाँ (✓)
   (ङ) त्योहार (✓)

2. (क) बिद्यार्थी – विद्यार्थी (ख) खुशि – खुशी
   (ग) धरम – धर्म (घ) बाते – बातें
   (ङ) विदिया – विद्या (च) उनहें – उन्हें
   (छ) करोधा – क्रोध (ज) बेठो – बैठो
   (झ) भगत – भक्त (ञ) गलतीयाँ – गलतियाँ

3. (क) जंगल में **बाघ** को देखकर वह डर गया।
   (ख) हमें हमेशा **दीन** दुखियों की मदद करनी चाहिए।
   (ग) गीता ने कल एक नई **शाल** खरीदी।
   (घ) बच्चे स्कूल से अभी तक नहीं **लौटे**।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(क) (ब) अशुद्ध है। (ख) (ब) पवर्त

आलोचनात्मक सोच

(ब) सर्वनाम संबंधी

अनुभवात्मक अधिगम

रचनात्मकता

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

17. मुहावरे

मौखिक प्रश्न

1. ऐसे वाक्यांश बोलते हैं, जो एक विशेष अर्थ देते हैं, यानी उनका अर्थ उनमें आए शब्दों के अर्थों से अलग होता है। उन्हें हम **मुहावरे** कहते हैं।
2. छात्र स्वयं करें।

लिखित प्रश्न

1.

(क) श्रीगणेश करना	(अ) बिल्कुल अनपढ़
(ख) आग में घी डालना	(ब) भाग जाना
(ग) काला अक्षर भैंस बराबर	(स) कार्य आरंभ करना
(घ) रफू-चक्कर होना	(द) चैन पड़ना
(ङ) जी चुराना	(य) क्रोध भड़काना
(च) घोड़े बेचकर सोना	(र) परिश्रम से बचना
(छ) कलेजा ठंडा होना	(ल) घबड़ा जाना
(ज) हाथ-पाँव फूलना	(व) गहरी नींद सोना

2.

(क) दोष लगाना	–	कलंक लगाना।
(ख) चौकन्ना होना	–	कान खड़े होना।
(ग) क्रोध भड़काना	–	आग में घी डालना।
(घ) चैन पड़ना	–	कलेजा ठंडा होना।
(ङ) अटल निर्णय होना	–	पत्थर की लकीर।
(च) संकट से घबराकर भागना	–	पीठ दिखाना।
(छ) स्वयं को संकट में डालना	–	आ बैल मुझे मार।
(ज) बाधा डालना	–	टाँग अड़ाना।

3. छात्र स्वयं करें।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(ख) मुहावरे वाक्यांश होते हैं।

समस्या-समाधान

(क) कोल्हू का बैल (ख) काला अक्षर भैंस बराबर

(ग) आँखों में धूल झोंकना (घ) आस्तीन का साँप

कला एकीकरण

कान का कच्चा कान खड़े होना

आँखे खुलना आँख दिखाना

दाँत खट्टे करना दाँत दिखाना

18. पर्यायवाची शब्द

मौखिक प्रश्न

1. एक-दूसरे के समान अर्थ देने वाले शब्दों को **पर्यायवाची** या **समानार्थक** शब्द कहा जाता है।
2. भाषा को सुंदर एवं सारगर्भित बनाने के लिए भाषा में **पर्यायवाची** आवश्यक है।

लिखित प्रश्न

1. (क) कमल – (अ) पंकज (ब) जलज
(स) वाटिका (✗) (द) सरोज
(ख) नयन – (अ) नेत्र (ब) चक्षु
(स) लोचन (द) बाजि (✗)
(ग) मोर – (अ) केकी (ब) सारंग
(स) प्रसून (✗) (द) मयूर
(घ) घोड़ा – (अ) अश्व (ब) तुरंग
(स) घोटक (द) सदन (✗)
(ङ) नदी – (अ) सरि (ब) तरंगिणी
(स) केकी (✗) (द) तटिनी

2.	(क) हवा	–	अंबा	अंबु	वायु
	(ख) बेटी	–	महिला	पुत्री	वनिता
	(ग) पर्वत	–	ऊँचा	गिरि	शिखर
	(घ) सोना	–	सुनहरा	स्वर्ण	पीला
	(ङ) आकाश	–	गगन	दिवाकर	बादल
	(च) अग्नि	–	अनिल	आग	पवन
3.	(क) नीर	–	पानी	जल	वारि
	(ख) नारी	–	औरत	स्त्री	भार्या
	(ग) कुसुम	–	पुष्प	फूल	प्रसून
	(घ) सूर्य	–	रवि	दिनकर	सूरज
	(ङ) आँख	–	नयन	चक्षु	नेत्र

4. छात्र स्वयं करें।

खेल-खेल में

अश्व
हय

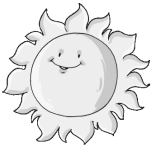

सूर्य
रवि

नग
पहाड़

पृथ्वी
धरा

गृह
आलय

प्रसून
कुसुम

पाठ्यचर्या एकीकरण
तार्किक सोच

(ग) 'क' और 'ख' दोनों।

समस्या-समाधान

(क) दिन में प्रकाश देने के कारण **सूर्य** को **रवि** कहते हैं।

(ख) **नेत्र** खुले थे और **आँखों** से आँसू बह रहा था।

(ग) गणों के स्वामी **गणेश जी** को **विनायक** कहते हैं।

(घ) **साँप** में विष होता है, इसलिए उसे **विषधर** कहते हैं।

(ङ) मेरे **घर** का नाम हरि **सदन** है।

कला एकीकरण

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

19. विलोम शब्द

मौखिक प्रश्न

1. जो शब्द एक-दूसरे का विपरीत या उलटा अर्थ देते हैं, उन्हें **विलोम** या **विपरीतार्थक शब्द** कहते हैं।
2. **विलोम शब्द** को ही **उलटा शब्द** कहते हैं।

लिखित प्रश्न

1. (क) (स) शिष्य (✓)

   (ख) (स) पास (✓)

   (ग) (अ) दानव (✓)

   (घ) (ब) आदर (✓)

2. (क) राजा का दिल कठोर था, रानी का कोमल।

   (ख) अध्यापिका के प्रश्न का उत्तर कोई भी नहीं दे पाया।

   (ग) नये व्यापार में लाभ की बजाय हानि उठानी पड़ी।

   (घ) कुछ बच्चे इच्छा से काम कर रहे थे, तो कुछ अनिच्छा से।

   (ङ) दीपावली का त्योहार अंधकार पर प्रकाश की और बुराई पर अच्छाई की जीत का त्योहार है।

3. (क) अपना — (य) पराया
(ख) स्वर्ग — (स) नरक
(ग) कोमल — (द) कठोर
(घ) सच — (ब) झूठ
(ङ) चतुर — (अ) मूर्ख

4. (क) राजन आस्तिक है, पर उसका भाई **नास्तिक** है।
(ख) युद्ध में राजा की विजय और उसके शत्रु की **पराजय** हुई।
(ग) आज से दो सौ साल पहले हम परतंत्र थे, पर अब हम **स्वतंत्र** हैं।
(घ) गाँधी जी कहते थे कि हिंसा से नहीं, **अहिंसा** से काम लेना चाहिए।

खेल-खेल में

असाधारण	असावधान	अरुचि	अपूर्ण
अज्ञान	अधीर	असत्य	अमंगल

पाठ्यचर्या एकीकरण
तार्किक सोच

(ग) विलोम शब्द हैं।

आलोचनात्मक सोच

छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

अनुभवात्मक अधिगम
रचनात्मकता

(क) मान × अपमान (ख) वीर × कायर
(ग) आदर × निरादर (घ) देव × दानव
(ङ) आस्तिक × नास्तिक

20. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

लिखित प्रश्न

1. (क) (अ) अद्वितीय (✓)
(ख) (ब) सप्ताह में एक बार होने वाला (✓)

(ग) (ब) शाकाहारी (✓)

(घ) (स) जो छोटा भाई हो (✓)

2. (क) मिट्टी के बर्तन बनाने वाला — (स) कुम्हार

(ख) जो आँखों के सामने हो — (द) प्रत्यक्ष

(ग) देखने वाला — (य) दर्शक

(घ) जो छोटा भाई हो — (ब) अनुज

(ङ) जल में रहने वाला — (अ) जलचर

3. (क) राहुल **परोपकारी** बच्चा है।

(ख) ईशान अच्छा **वक्ता** है।

(ग) शिवानी **सत्यवादी** है।

(घ) सिनेमा हॉल **दर्शकों** से खचाखच भरा हुआ है।

(ङ) मेरे पिताजी **वैज्ञानिक** हैं।

4. (क) प्राचीन – जो बहुत पुराना हो।

(ख) निर्बल – जिसमें बल न हो।

(ग) सर्वत्र – जो सब जगह हो।

(घ) ग्रामीण – जो गाँव में रहते हों।

(ङ) बढ़ई – जो लकड़ी का काम करें।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(अ) (ग) जो सब कुछ जानता है।

(ब) (क) सत्य बोलने वाला।

आलोचनात्मक सोच

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग करने से भाषा संक्षिप्त सुंदर और प्रभावशाली अवश्य बन जाती है।

अनुभवात्मक अधिगम

रचनात्मकता

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

21. अपठित गद्यांश

लिखित प्रश्न

1. (क) (अ) शिक्षक की भाँति (✓)
   (ख) (ब) पाप (✓)
   (ग) (अ) हृदय पर (✓)
2. छात्र स्वयं करें।
3. (क) मित्र — (य) दोस्त
   (ख) गर्त — (द) गड्ढा
   (ग) सन्मार्ग — (अ) अच्छा रास्ता
   (घ) अवसर — (ब) मौका
   (ङ) हृदय — (स) दिल
4. (क) सच्चा – झूठा (ख) पाप – पुण्य
   (ग) शिक्षक – शिक्षिका (घ) कल्याणकारी – अकल्याणकारी
   (ङ) जीवन – मरण (च) मित्र – दुशमन
1. (क) (अ) परिश्रम (✓)
   (ख) (ब) अभिमान (✓)
2. (क) कठोर = कड़ा/कठिन (ख) ठोकरें = परेशानी
   (ग) फल = परिणाम (घ) अभिमान = घमंड
3. (क) परेशानी
   (ख) परिश्रमी का
   (ग) छात्र स्वयं करें।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(घ) जो पहले पढ़ा न गया हो।

समस्या-समाधान

(ख) गद्यांश में ही

अनुभवात्मक अधिगम

रचनात्मकता

(क) चित्र कला प्रतियोगिता में किसे प्रथम स्थान प्राप्त हुआ?

(ख) रूचि को क्या पसंद है?

(ग) जिलाधिकारी ने रूचि को पुरस्कार में क्या-क्या दिया?

22. चित्र-वर्णन

लिखित प्रश्न

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(ख) चित्र पर ही आधारित होना चाहिए।

कला एकीकरण

(क) चित्र में (यहाँ) जन्म-दिन का कार्यक्रम चल रहा है।

(ख) टेबल पर उपहार और केक रखा हुआ है।

(ग) बच्चे तालियाँ बजा रहे है।

23. संवाद-लेखन (वार्तालाप)

लिखित प्रश्न

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(घ) इन सभी में

समस्या-समाधान

(ख) सरल भाषा

अनुभवात्मक अधिगम

रचनात्मकता

छात्र/छात्राएँ स्वयं संबंधित विषय पर संवाद लिखें।

24. कहानी-लेखन

लिखित प्रश्न

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।
3. छात्र स्वयं करें।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(घ) कहानी में कोई पात्र नहीं होना चाहिए।

कला एकीकरण

छात्र/छात्राएँ दिए गए चित्रों को देखकर एक छोटी-सी कहानी लिखें।

25. पत्र-लेखन

लिखित प्रश्न

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।
3. छात्र स्वयं करें।
4. छात्र स्वयं करें।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(ग) अधिकारियों को लिखे जाने वाले पत्र औपचारिक पत्र होते हैं।

अनुभवात्मक अधिगम

रचनात्मकता

छात्र/छात्राएँ स्वयं पत्र लिखें।

26. अनुच्छेद-लेखन

लिखित प्रश्न

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।
3. छात्र स्वयं करें।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(ख) एक अनुच्छेद वाला

अनुभवात्मक अधिगम

रचनात्मकता

छात्र/छात्राएँ स्वयं संबंधित विषय पर अनुच्छेद लिखें।